

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0054826

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Tanuj Pathak

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25/08/2023

निबंध ESSAY

केंद्र
Centre

Dehradun

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए।
Candidates
must not
write on
this margin

1. टूटे हुए बयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

1) It is easier to build strong children
than to repair broken men

‘ हम लाये हैं तुफान से किशोरों
निकाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों
संभाल के । ’

This is a message from a freedom
fighter to the children of independent
India. ^{She} They says 'We have brought our
country (boat) out of the sea storm (British)

empire). Now it is upto the children of my country to keep this boat safe and prosperous.

The question that arise here is why did our freedom fighters believed that it ^{was} ~~were~~ the children who can safeguard this country and not adults. In this essay we will try to answer this question by analysing why and how it is easier to build strong children than to repair broken man. Our freedom fighters knew that the foundation of our country can be built only by building strong children.

Why it is easier to build strong children

Mother Teresa ^{once} ~~once~~ said Children are like clay, they can be moulded into

whatever form we want. Thus inculcating strong morality in children is relatively easier. It is done by the process of Socialization.

Socialization is the process by which a child learns ~~to~~ the ways of life. He/she observes the people around him/her and absorb their qualities; positive as well as negative. Gandhiji in his book "My experiments with truth" says that he learn the values of truth and non-violence from his mother. Gandhiji that we know today was a result of strong foundation that was laid by his mother Putlibai in his childhood.

Apart from the social reasons stated above there are few biological reasons too which have shown why building strong children is easier. One of them is the

concept of fluid ~~memory~~ memory and crystallised memory. It is believed that children possess fluid memory. It is a situation when the memory has a lot of space to absorb various kind of information and knowledge. What kind of knowledge that is being imparted to a child determines ~~who~~ how strong he/she will become in future. For instance, Abhimanyu when he was ~~for~~ young was taught the art of archery and warfare. He was taught to be courageous and determined no matter how strong the enemy was. It was due to this conditioning he single-handedly broke the 'Chakrayuh' of Kaurav army and saved pandava king from getting captured.

This brings us to ~~the~~ our next reason of why it is easier to build strong children. This is called Classical Conditioning.

Let us understand through an example .
A child is never racist by birth . when he
sees his mother discriminating between a
white person and a black person , he
automatically learns to discriminate between
the two . Conversely , when a child
sees that his mother treats both with
dignity and respect , he would learn
the same . Thus to build strong children
it is important to maintain a morally
right behavior in front of them .

Famous Anthropologist Margaret Mead
in her book "Coming of Age in Samoa"
has said , "Children must not be taught
what to think but how to think" . ~~Once~~
Once we teach them 'How to think', they
inculcate Rationality , Innovation and
Analytical skills . This lays the foundation

of a strong character in them. Similarly,
Dr. APT Abdul Kalam in his book 'Wings of
fire' has said, "If you want to change
the world start with children". This is

because it is easier to impart strong
foundational values in children. These values
later help them to build strong nation.

This phenomenon has been scientifically explained
by Sigmund Freud.

Sigmund Freud has shown two
aspect of Human Psyche. One is 'Id'
which is the 'instincts' and 'desires' in
humans. Other is 'Super ego' which is
analogous to our 'Conscience' which puts
checks and balances on our 'Id'. Freud
says when a child is born he has
Only Id. Super ego is developed by the

process of socialization. Thus whatever the society will teach him his conscience will be moulded in that direction. Hence, he also concludes that it is easier to build strong children by developing a strong and morally correct superego.

Having understood why it is easier to build strong children, let us understand why it is difficult to repair broken man. But for first let us understand who is a broken man. Any person whose attitude has become negative towards anything can be called as a broken man. The reasons of attitude turning negative can be many. This is because a person has plethora of responsibilities in his/her life. On the way to fulfill

those responsibilities he/she forgets to do something to make himself/herself happy. This makes the life dull and finally he/she develops a negative attitude towards life.

After understanding who is a broken man let us understand why it is difficult to repair a broken man.

Why it is difficult to repair a broken man

There can be multiple reasons to explain this. To begin with, as a person grows his fluid memory turns to crystallised memory. Crystallised memory means he develops strong attitudes which are very difficult to change. These strong attitudes have developed due to direct experiences of life. And that is why a strong belief is present with those attitudes and it becomes difficult to change those.

In addition to that, a broken man may deliberately resist any change in his life. The beliefs he may have developed ~~would be~~ is a result of his own choice and now he resist absorbing any new information which is ~~for~~ provided to him. For instance, A person who smokes will never look ^{at} into the picture printed on the cigarette box. This is because he do not want to change and thus deliberately looks away from the box.

Another reason why it is difficult to change a broken man is Maturity. An adult person has become mature. Being Mature means not getting impacted by ones emotions or atleast possess the capability to resist expression of

those emotions. As per Daniel Goleman in
~~his~~ his book "Emotional Intelligence : Why EQ
matters more than IQ" says that Emotions
has a great impact on attitudes. Thus
if a person who has the ability to
suppress his emotions is ^{less} ~~less~~ likely to change.
Children on the other hand are driven by
their emotions. Thus they are easier to
change. And hence, he also believes that
it is easier to build strong children
than repairing broken men.

Now having understood both sides of
the discussion let us find some ways
to repair the broken man so that both
children and adults contribute equally in
nation building.

One of the best ways to repair
broken man is spirituality. for example

Lord Buddha with his understanding of life and its purpose completely transformed Angulimal. Before meeting Buddha he was a Dacoit and a Murderer. After Buddha's teachings he became a saint.

Another way can be self-realisation.
As Kabirdas ji says - "Bura Jo ^{dekhan} ~~dekan~~ me chala
Bura Na miliya koy, Jo man kroja Apna
mujhse Bura na koy". Best example is of

Ashoke who was a great warrior and plunderer in his initial life but transformed completely after Kalinga war due to self-realisation.

And Above all love and compassion is ~~to~~ one thing which can transform anyone. It is often said "Kindness is a language which blind can see and deaf can hear". If one shows empathy and compassion towards a broken person, it can change his

life.

7. ~~conclude~~ summarise, we understood
growing building strong children is relatively easier
than broken man. But in later part we
also saw that it is ~~complex~~ not completely
impossible to change broken man but can
be achieved by various means.

This brings us to our conclusion
that both ^{building} (strong) children as well as repairing
broken man is important for safeguarding
as well as growth of our Nation. It is
important for upholding our plural society i.e.
upholding unity in diversity of our country.
It is important to leverage the demographic
dividend that we possess. And it is
important to achieve our vision of making
India developed by 2047 and thus fulfilling
dreams of our freedom fighters.

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को
इस मार्ग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

Keep your face to the sunshine and
you cannot see a shadow

It was a cricket match between India and Pakistan. India was batting first at a ~~set~~ score of 30 runs for 4 wickets. Indian batsmen were falling like leaves in front of six foot tall Pakistani pacers. After fourth wicket a skinny teenage walked towards the crease to bat. On the opposite end was standing

Navjot Singh Siddhu . He thought today this
skinny teenager will surely die as the bow
bowl was coming at an speed of more
than 150 km/hour . As the teenager played
the first ball , the leather ball hit him
directly on his nose . His nose started to
bleed heavily . As the medics came to
take him and as soon as they put him
on the stretcher , Siddhu heard something
which he would not forget in his entire life .
The teenager in his weak ~~voice~~ voice said ,
“ Sir मैं खेलूंगा । ”

Such was the attitude of Sachin
Tendulkar . Navjot Singh Siddhu knew ~~that~~ in
that very second that this teenager will
one day become the 'God of cricket' and
the 'Greatest of all time (GOAT)' .

The value to learn ^{from} for the story is to have a right attitude, a positive attitude i.e. to keep our face always towards the sunshine. Having a positive attitude will enable to achieve our goals and the 'shadow' which represents fears and failures will fade away.

In this essay we will understand why ~~we~~ we need to keep our face to the sunshine. We will also understand what happens if when we keep our face towards sunshine. Later we will also analyze about those situations in which we might face failures even with positive attitude and finally how to overcome those failures. Let us first begin with what happens when a person keeps his

face towards sunshine .

Keeping your face to the sunshine

When a person keeps his face towards the sunshine i.e. when he inculcates a positive attitude he develops various values in him which help him in achieving success in life . The first is 'clarity of thoughts'. When a person keeps a positive attitude he clearly sees his 'purpose of life'. Having clarity of thoughts and a purpose of life helps to make way for achieving success .

In addition to that having a positive attitude germinates determination in an individual . For instance Eklavya in Mahabharat despite being rejected ~~the~~ by the teacher kept a positive attitude .

He taught himself the art of archery and became the greatest archer in the world. Such is the power of positive attitude.

Having a positive attitudes inculcates commitment and dedication in the individual when a person keeps his face towards the sunshine it reminds him of his goals. This generates dedication to achieve his ends. For example, Hema das also known as 'Dihing enpres' ~~who~~ was very poor and could not even afford a pair of shoes.

But she kept her face towards the sunshine, practised dedicatedly towards her goals. Got committed towards her aims, due to her dedication, today she is the brand ambassador of Adidas. She is the same woman who couldn't even afford a pair of shoes in childhood.

Not only commitment and dedication, having a positive attitude also generates fortitude

fortitude in a person. Fortitude is the

courage of moving forward in adverse conditions.

If a person has right attitude no situation can stop him/her from achieving success.

Virat Kohli when he was playing Under-19, was once playing against Karnataka in Ranji trophy. He had to bat the next day.

But on the previous day he lost his father.

Despite of the unbearable pain of losing ones father, he played next day. He demonstrated

immense fortitude and scored around 80 runs despite going through unparalleled

tragedy. This was possible he had a positive attitude and kept his face towards

the sunshine.

Another abilities that right attitude can generate is of patience, persistence and perseverance. Keeping your face towards sunshine enables you to generate perseverance so that one can ^{bear} ~~bear~~ the pain of not achieving the goals but on the same ~~hand~~ hand continuously strive towards to achieve them. The best example of perseverance is Thomas Alva Edison who failed thousands of times before inventing the bulb. Had he not faced the sunshine, the world might still be a darker place during night.

~~Such positive attitude have been shown by many~~ However sometimes despite of demonstrating positive attitude it is also

possible that the person fails. This is because
failures are often part and parcels of life.

Important thing, however, is to stand
once again, give up our fears and
strive again towards our goals. Various Great

personalities have failed many times before
achieving ends. For example, despite ~~con~~

conquering the entire European and Asian
Continent, Alexander failed at banks of

Helum River. Despite having a positive
attitude the circumstances were such that

he had to return. Similarly Gandhiji failed

multiple times before ~~starting~~ driving India
towards her independence. Various movements

like Non-cooperation, Civil disobedience or
even Quit India was not successful. But

he didn't lose his hope. Kept his face
towards ~~sunshine~~ ~~sunlight~~ sunshine

and finally due to a positive attitude was successful in taking India towards her freedom.

Thus, people who ~~face~~ keep their face towards the sunshine may fail at times. They may not ^{become} ~~be~~ successful. But the importance of having a right attitude is that they ~~tried~~. It is often said -
“ लक्ष्मी से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। ”

This means that one who do not fear any obstacle in his life, one who constantly strive towards his goals, he/she never loses in his life. Such is the importance of keeping your face towards the sunshine.

Sometimes, However, it ~~can~~ also be the case that the ~~person~~ has ~~to~~

~~deviate from the path of peace (which is the
right attitude) to a path of violence to~~

After having understood both the sides
the question we will try to answer is how
to inculcate positive attitude in our life.

There are various means to inculcate a
positive attitude.

To begin with we need to develop
Courage. Nelson Mandela in his book

'Invictus' says if a person has courage
he will be able to face all the difficulties
in his life. Having courage helps a
person to see all the goals ^{from} ~~to~~ a positive
lens.

In addition to that Jain Philosophy
speaks about keeping Right faith, Right
knowledge and Right conduct

to develop a positive attitude towards life.

Moreover the dictum of Nishkam Karma

~~can be~~ i.e. selfless actions will also

help in keeping a positive attitude. This

is because Nishkam Karma gives us a

purpose in our life. And when a

person has a purpose for his life he
instilates a right attitude.

To conclude, it is ~~ess~~ essential
for every person to keep their face
towards the sunshine for achieving the
goals that they have set for them.
If they possess positive attitude they can
overcome any ~~the~~ possible hindrance of
on ~~their~~ ^{their} path to success.

Thus we must all rise above
our fears and insecurities

to achieve our ends. Just close your eyes
and ~~believe~~ say मैं खिलेगा |

— X — X —

= Sachin ki roshni - Such was the attitude of Sachin → God of Cricket, God of

attitude

positive attitude

SPACE FOR ROUGH WORK

Keep your face to the sunshine & you cannot see a shadow

Meaning Right attitude =

1) What happens when a person has right attitude

→ Clarity of thoughts

→ Determination { Eklaavya } → Seven arrows

→ Commitment & dedication { Bhishma Pitamah } → Himra Das

→ Fortitude { Kohli }

→ Patience, persistence, perseverance { Thomas Murray Ellison } [Gandhi]

→ Temperance [Right temper]

→ Buddha (leave desires) for Happiness

[कठिन व्रत के लिए निश्चय]

→ Socrates Right attitude =

अगर हो गया =

सब चीजों में नजर आती है -

Why ~~cannot~~ we not be a person not fail

How to keep face to sunshine

(i) Positive attitude

(ii) Right faith (in yourself)
Right knowledge → Right conduct

(iii) Nelson Mandela INVICTUS

[develop courage] to fight all odds

(iv) Nishkam Karma perform selfless acts कर्मयोग

Be Happy

Thomas Hobbes

Eudemus → Most perfect & complete

SUMMARY

Me Khelega attitude for all.

However sometimes fail as failure is a part of life.

(i) Alexander

(ii) Gandhi

(iii) Napoleon

(iv) Einstein

Edison

that failure is a part of life.

Many are the

burned

Some are

Success for

not

important is

the truth

नहीं है

सच है

जो भी है

वही सच है

3

need

Sanctum

Keep

away from

Sunshine

War →

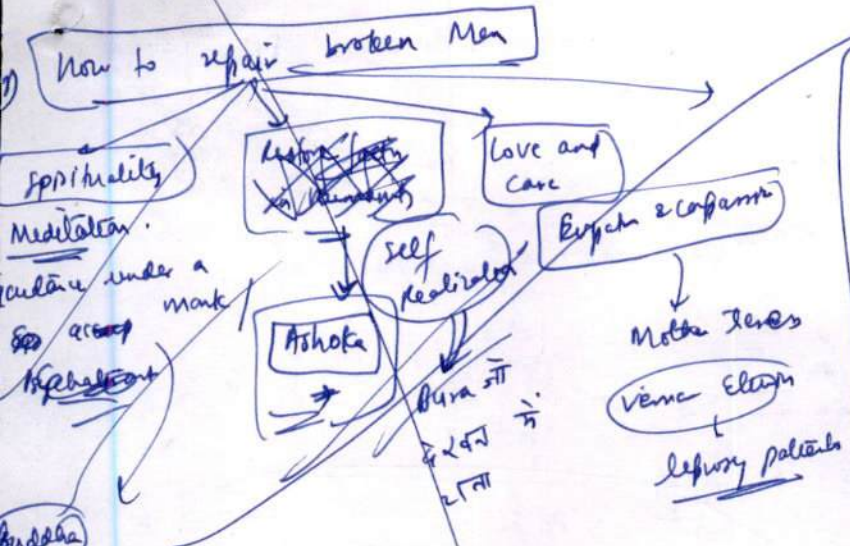
Karma - dharma

Sanskrit

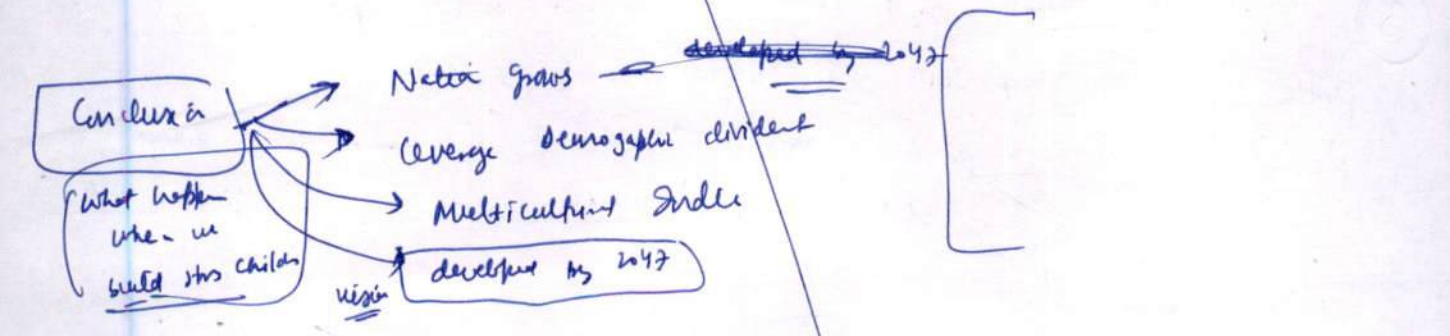
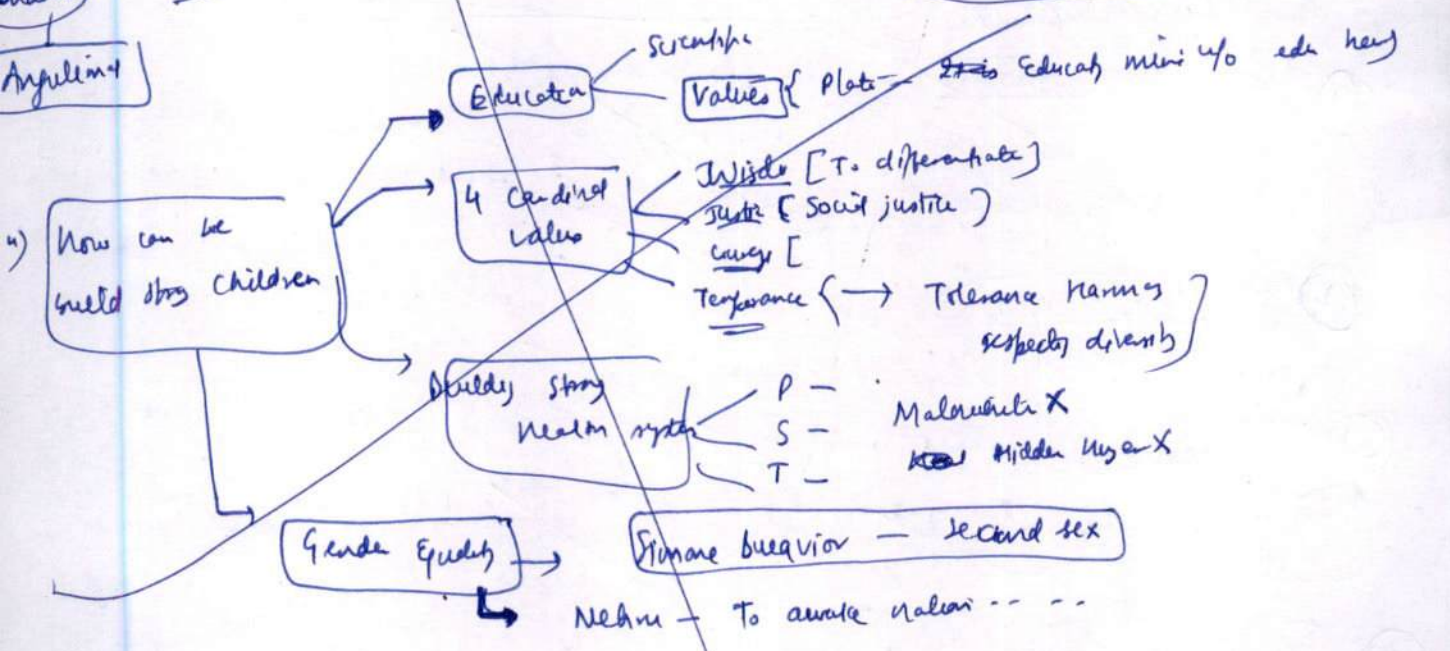
Sachin ki roshni

SPACE FOR ROUGH WORK

Inter En mīm ē dīpī ...
Pāṭh ...

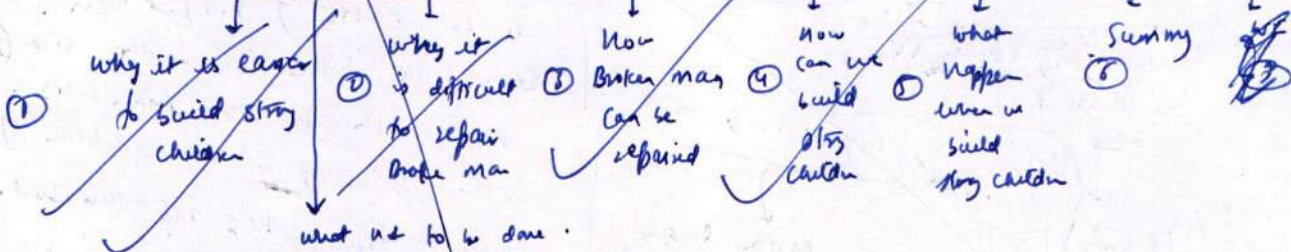


This is a message from a freedom fighter to the children of Independent India. It says we have broken the boat (put out of the sea) (British rule). Now it is up to the children of my country to keep safe this boat. Why? Why did they our free fighters appear to the children and not the adult generation?



SPACE FOR ROUGH WORK

It is easier to build strong children than to repair broken man.



① Why easier to build strong children

①

① Socialization
Gandhiji - Motu
Brook My experiments with truth

Child is like clay ---

एक गिलाँ का गिलाँ → जो एत तेर ते देवले सित है - Socialization

④

② Classical conditions

What parents do children copy.

Child is not racist by birth. ... Observes his mother.
Parents - Morality

⑦ ③

Fluid Memory

⑩ Abimanyu

Crystallized Memory

⑧

Margaret Mead

Child must be taught not what to think but how to think.

Only gap in samosa

⑩ Chandragupta Maurya for child age with character.

Analytical

Innovative

Patent

③

⑧

APJ Abdul Kalam

If you want to change the world start with children.

Wings of fire

Why?

Inculcates Morality is relatively easier

When a person is born (Free)

⑨d

Superego x

we Social develops his Superego - Conscience

②

Why difficult to repair broken man

①

① Maturity
less response to emotion

③ Attitude
Inculcates

Do not tend to take to under
scrutinizes but want to understand

① Crystallized memory